जुलाई , 2023 क्रमांक 07

e publication

# मासिक पशुपालन निर्देशिका

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय , हिसार (हरियाणा)

## बरसात के मौसम में पशुपालक रखे इन बातों का ध्यान

बारिश के मौसम में उच्च तापमान के साथ साथ वातावरण में नमी भी बढ़ जाती हैं। ऐसा मौसम पशुओं के लिए अधिक तनाव पूर्ण रहता हैं, जिसका सीधा असर पशु के उत्पादन पर आता हैं। इसलिए इन बातों का ध्यान रखें :

1. मानसून से पहले सुनिश्चित कर लें की सभी पशुओं को मुंहखुर-गलघोंटू की वैक्सीन लग चुकी हो, ताकि नमी व उच्च तापमान के तनाव में पशु इन बीमारियों से सुरक्षित रहें।
2. प्राय: देखा गया हैं की इस मौसम में नमी व घास वाले क्षेत्र में घोंघें व अन्य जीव पनपते हैं। ऐसे जीवों विशेषकर घोंघें से पशुओं में कई प्रकार कें आंतरिक परजीवी का संक्रमण हो सकता हैं। इसलिए पशुपालक ध्यान रखें की तालाब के आस पास वाली घास न चराएं। चिकित्सीय परामर्श से कृमिनाश्क दवा का उपयोग करें।
3. इस मौसम में मक्खी-मच्छर इत्यादि का प्रकोप बढ़ जाता हैं, अत: पशुओं के लिए मछर-दानी का आवश्यकता अनुसार प्रयोग करें।
4. पशुओं का शेड हवादार व् नमी रहित होना चाहिए, फर्श पर फिसलन नही होनी चाहिए। इसी प्रकार पशुओं का बिछावन भी सुखा रखने का प्रयास करें। समय समय पर गोबर पेशाब आदि साफ़ करें।
5. बरसात में पशु चारे पर विशेष ध्यान दें| काला या फफूंद लगा चारा पशुओं को न दें। पशुओं की खोर भी लगातार साफ़ रखें, जिससे पशुओं का हाजमा ख़राब न हो।
6. पशुओं का पीने का पानी हमेशा साफ़ व पीने योग्य होना चाहिए, गंदें पानी से पशुओं में दस्त या खराब हाजमे की शिकायत हो सकती है।
7. सर्रा रोग से बचाव हेतु बाहरी परजीवियों से बचाव करें, मच्छर-दानी का उपयोग करें, चिकित्सीय परामर्श से स्प्रे आदि का उपयोग करें।

## जुलाई के पशुपालन सम्बन्धी कार्य

- परजीवी नियंत्रण पर ध्यान दें, कीटनाशक के साथ नीम के तेल का भी उपयोग करें |
- पशुओं में नियमित रूप से खरहरा मारें, आवश्यकतानुसार मच्छरदानी या पंखों का इस्तेमाल करें |
- डेयेरी फार्म पर प्राकृतिक विधि से परजीवी नियंत्रण जैसे की देसी मुर्गो के इस्तेमाल पर भी ध्यान दें |
- बरसात के मौसम में बाड़े में साफ़ सफाई का विशेष ध्यान दें, कीचड़ न होने दें |
- संभव हो तो पशुशाला ऊँचे स्थान पर हो |
- सर्रा रोग के लक्षण जैसे की तेज बुखार, पागलपन, अंधापन आदि का ध्यान रखें |
- इस मौसम में पशुओं के खुरों का विशेष ध्यान रखें, बाड़े में चुने का इस्तेमाल करें, खुर धोने के लिए लाल दवाई या नीले थोथे का उपयोग चिकित्सीय परामर्श से करें |

## मानसून विशेष परामर्श

- पशुओं को ऊमस वाली गर्मी के तनाव से बचाव हेतु वातानुकूलित / हवादार शेड में पंखो आदि के साथ रखें |
- स्वच्छ जल प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें |
- शेड में व छतो पर जलभराव या स्त्राव न होने दें, पानी की निकासी पर ध्यान दें |
- गर्मी के तनाव से बचाव हेतु खनिज मिश्रण व नमक का नियमित उपयोग करें

डॉ देवेन्द्र सिंह, डॉ सुजोय खन्ना, डॉ ज्योति शुन्ठवाल